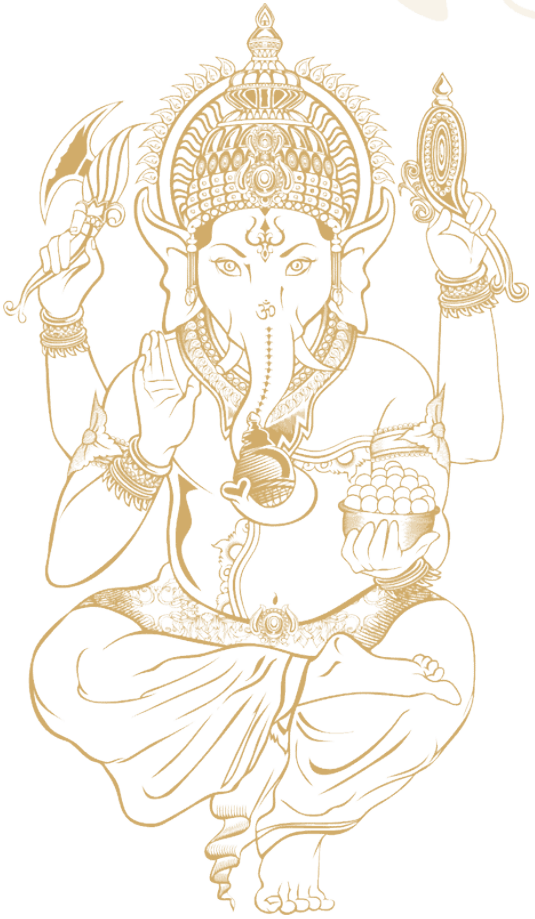

Mr.Nikhil kumar

19 Nov 2004

03:00 AM

Purnea

Model: web-freekundliweb

Order No: 121327610

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/11/2004**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**03:00:00 घंटे**
इष्ट	52:29:14 घटी
स्थान	**Purnea**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:47:00 उत्तर
रेखांश	87:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:20:04 घंटे
वेलान्तर	00:14:49 घंटे
साम्पातिक काल	07:13:06 घंटे
सूर्योदय	06:00:18 घंटे
सूर्यास्त	16:50:00 घंटे
दिनमान	10:49:42 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	02:58:13 वृश्चिक
लग्न के अंश	22:30:26 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	ध्रुव
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	22:30:26	323:01:10	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	02:58:13	01:00:33	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मक	28:29:19	13:57:46	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	11:11:39	00:40:04	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध			वृश्चि	24:53:04	01:07:26	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु			कन्या	17:14:35	00:10:48	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	01:33:18	01:13:54	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	मूलत्रिकोण
शनि	व		कर्क	03:18:55	00:01:11	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	07:58:54	00:00:27	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	07:58:54	00:00:27	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
हर्ष			कुंभ	08:58:17	00:00:22	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	18:52:00	00:00:51	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	27:12:21	00:02:06	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	---
दशम भाव			मिथु	22:55:57	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:21

लग्न-चलित

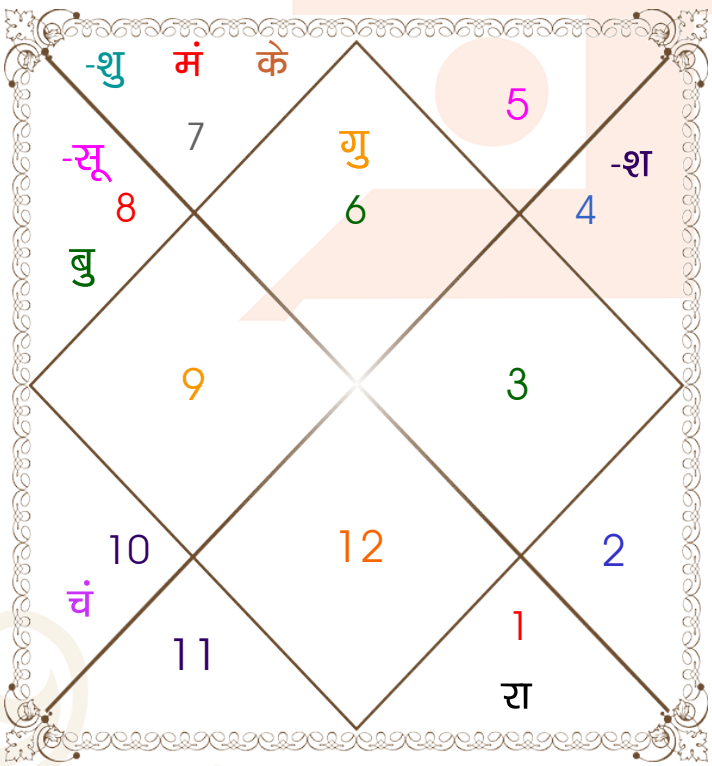

चन्द्र कुंडली

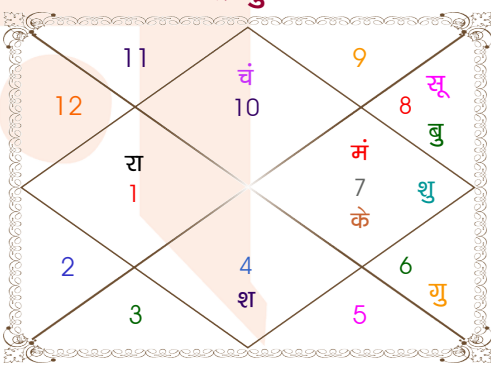

नवमांश कुंडली

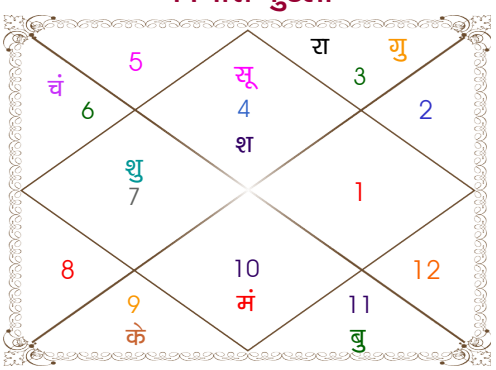

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 3 मास 15 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
19/11/2004		06/03/2009		06/03/2027		06/03/2043		06/03/2062	
06/03/2009		06/03/2027		06/03/2043		06/03/2062		06/03/2079	
	00/00/0000	राहु	17/11/2011	गुरु	24/04/2029	शनि	09/03/2046	बुध	02/08/2064
	00/00/0000	गुरु	12/04/2014	शनि	05/11/2031	बुध	16/11/2048	केतु	30/07/2065
	19/11/2004	शनि	16/02/2017	बुध	10/02/2034	केतु	26/12/2049	शुक्र	30/05/2068
शनि	04/09/2005	बुध	05/09/2019	केतु	17/01/2035	शुक्र	25/02/2053	सूर्य	05/04/2069
बुध	02/09/2006	केतु	22/09/2020	शुक्र	17/09/2037	सूर्य	07/02/2054	चंद्र	05/09/2070
केतु	29/01/2007	शुक्र	23/09/2023	सूर्य	06/07/2038	चंद्र	08/09/2055	मंगल	02/09/2071
शुक्र	30/03/2008	सूर्य	17/08/2024	चंद्र	05/11/2039	मंगल	17/10/2056	राहु	21/03/2074
सूर्य	05/08/2008	चंद्र	16/02/2026	मंगल	11/10/2040	राहु	24/08/2059	गुरु	26/06/2076
चंद्र	06/03/2009	मंगल	06/03/2027	राहु	06/03/2043	गुरु	06/03/2062	शनि	06/03/2079

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
06/03/2079		06/03/2086		07/03/2106		07/03/2112		07/03/2122	
06/03/2086		07/03/2106		07/03/2112		07/03/2122		00/00/0000	
केतु	02/08/2079	शुक्र	06/07/2089	सूर्य	25/06/2106	चंद्र	05/01/2113	मंगल	03/08/2122
शुक्र	02/10/2080	सूर्य	06/07/2090	चंद्र	24/12/2106	मंगल	06/08/2113	राहु	22/08/2123
सूर्य	06/02/2081	चंद्र	06/03/2092	मंगल	01/05/2107	राहु	05/02/2115	गुरु	28/07/2124
चंद्र	07/09/2081	मंगल	06/05/2093	राहु	25/03/2108	गुरु	06/06/2116	शनि	20/11/2124
मंगल	04/02/2082	राहु	05/05/2096	गुरु	11/01/2109	शनि	05/01/2118		00/00/0000
राहु	22/02/2083	गुरु	04/01/2099	शनि	24/12/2109	बुध	07/06/2119		00/00/0000
गुरु	29/01/2084	शनि	07/03/2102	बुध	30/10/2110	केतु	06/01/2120		00/00/0000
शनि	09/03/2085	बुध	05/01/2105	केतु	07/03/2111	शुक्र	05/09/2121		00/00/0000
बुध	06/03/2086	केतु	07/03/2106	शुक्र	07/03/2112	सूर्य	07/03/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 3 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैद्यानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यनत संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बंध में प्रयास करके आपके विरूद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतिजनक गुर्राने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बंध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।